सादर प्रकाशनार्थ

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर ''भारत निर्माण'' संस्था द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन

संतों की पवित्रता से ही देश की संस्कृति सुरक्षित होगी : मुनि जयंत

दिल्ली, ३१ दिसम्बर, २०१४।

१९८० से देशहित में जुटी एक सामाजिक संस्था ''भारत निर्माण'' द्वारा आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनि जयंत कुमारजी के सान्निध्य में 'लक्ष्य है ऊंचा हमारा' शीर्षक पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश उपाध्याय, वागपथ से लोकसभा सदस्य डॉ. सतपालसिंह, प्रसिद्ध साहित्यकार वेद प्रकाश वैदिक, गंगाराम हॉस्पीटल के चैयरमेन डॉ. डी.एस. राणा उर्दू के वरिष्ठ कवि मुन्नवर राणा आयुर्वेद के डॉ. प्रताप चौहान आदि अनेक महानुभावों के विचारों से देश को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का संदेश प्राप्त हुआ।

जैन संत मुनि जयंतकुमार ने कहा कि देश की संस्कृति और संस्कारों की सूरक्षा तभी हो सकती है जब आम नागरिक को मार्गदर्शन देने वाले संत अपनी पवित्रता बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा कि देश के युवा उन्हीं संतों के प्रति भक्ति दर्शाएं जो सच्चे हो और कंचन कामिनी से दूर रहने वाले हो। भारत निर्माण संस्था ने आज के दिन ऐसा कार्यक्रम आयोजित कर एक महान सोच को प्रदर्शित किया है। यह सोच आप लोगों के द्वारा जन-जन तक पहुंचनी चाहिए। मुनिश्री ने नैतिकता युक्त जीवन बनाने के ऊंचे लक्ष्य के साथ नया वर्ष प्रारंभ करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के संयोजक रविन्द्र भण्डारी ने समारोह के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कार्यक्रम के द्वारा आध्यात्मिक जुड़ाव, पवित्र आत्माओं से बातचीत और स्वच्छ एवं स्वस्थ तरीके से देश के नागरिकों को परोपकार घर से प्रारंभ होता है का संदेश देना मूल ध्येय है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा को आंकना, प्राप्त करना अनिवार्य है किन्तु उन्हें जीना उससे भी ज्यादा जरूरी है। जो कहा जाता है वह जीवन में उतर जाये तो देश निश्चित रूप से बदलाव की राह पर गतिशील होगा।

वागपथ के संसद डॉ. सतपाल सिंह ने कहा कि देश कि समृद्धि और विकास के लिए अतिआवश्यक है कि सभी धार्मिक सम्प्रदायों में भाईचारे के साथ शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, कृषि और स्वस्थ मनोरंजन का विकास हो। प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. वेदप्रकाश वैदिक ने कहा कि यह बहुत आवश्यक है कि सभी बड़े और छोटे सरकारी अधिकारी सरकारी चिकित्सालयों विद्यालयों का उपयोग करे और अति महत्त्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक भारतीय अपने देश का सम्मान और आदर को बढाने के लिए कम से कम भारतीय भाषा में बोले और हस्ताक्षर करे।

गंगाराम चिकित्सालय के चैयरमेन डॉ. डी.एस. राणा ने जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में केवल स्वच्छ शासन की कल्पना काफी नहीं है। प्रत्येक नागरिक को दायित्व लेना चाहिए और प्रत्येक छोटी वस्तु के लिए कर्त्तव्य का अहसास होना चाहिये जैसे स्वास्थ्य और सफाई जो कि देश के समृद्ध विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है।

दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने 'लक्ष्य ऊंचा है हमारा' का विश्लेषण करते हुए कहा कि देश को सुदृढ़ करने के लिए संस्कृति, परंपरा और इतिहास को समझना जरूरी है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानी सैनिकों के सपनों

को पूरा करने का कार्य करना है और भारत को पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर लाना है। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान की चर्चा भी की।

इससे पहले गैर राजनीतिक अंग्रेजी समाचार पत्र भारत निर्माण प्रकाशन के लिए डॉ. प्रताप चौहान, समाज और मानवता के योगदान के लिए डॉ. सतपालसिंह, डॉ. वैद प्रकाश वैदिक, डॉ. डी.एस. राणा, डॉ. इश्वर एन. आचार्य, परेशनाथ और सतीश उपाध्याय को समाज और मानव जाति के योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

इस वर्ष मनवर राणा को काव्य पुरस्कार से नवाजा गया। योगाचार्य में डॉ. नवदीप जोशी, हॉम्योपेथी में डॉ. देवीदत्त जोशी, कला में पूनम शर्मा, टैरो कार्ड रीडर में गीतिका सोनी, सामाजिक गतिविधियों में दीपा अंटिल, नेचुरोपैथी में डॉ. सतेन्द्र मिश्रा, वास्तुकार के क्षेत्र में संदीप गोयल, कला संयोजक में जितेन्द्र पदम जैन, शाकेश कुमार, शेलका शर्मा, एम.जी. गुप्ता, राजीव शर्मा आदि को अलग-अगल क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम हास्य कविताओं के साथ सम्पन्न हुआ।

महान उर्दू कवि मुन्नवर राणा ने अपनी कविता के माध्यम से सुन्दर तरीके से सम्बोधित किया कि प्रकृति और इसका प्यार प्रत्येक प्राणी के लिए हमेशा अविभाजित और पवित्र है।